सिर्फ़ पता चलना है,

प्रश्न : पता किसका चलता है और किसे चलता है?

पता चलता है जो तुम हो और जिसे पता चलता है उसका कोई नाम नहीं है, उसे हम क्या कहेंगे? कुछ भी कहेंगे उस अनाम को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, वह अनाम ही रहता है, शब्द बदल जाने से वह बदलता नहीं, ‘वह’ वही का वही है,

पर अनाम शब्द बाक़ी शब्दों से अलग है, अनाम शब्द नहीं है, अनाम का वर्णन किया नहीं जा सकता उसके बारे में कुछ भी बताया नहीं जा सकता, अनाम कोई शब्द भी नहीं है और नाम भी नहीं है, पर जिसे संकेत दिया जा रहा है उसके लिए शब्द प्रयोग करना पड़ेगा, और कोई रास्ता नहीं है,

Aasthit